Kalindi College

(NAAC Accredited 'A' Grade)

University Of Delhi

DEPARTMENT OF HINDI

ACADEMIC SESSION

2020-21

तालिका सामग्री

क्रमांक	सामग्री	पृष्ठ संख्या
1.	विभाग का संक्षिप्त परिचय	2
2.	विषय का क्षेत्र (स्कोप ऑफ़ सब्जेक्ट)	2
3.	संकाय सदस्यों का विवरण	2
4.	शिक्षण का माध्यमः हिंदी कोर्स विवरणः	3
5.	पुरस्कार व उपलब्धियाँ	6
6.	प्रतियोगिताओं में भागीदारी	6
7.	विश्वविद्यालय रैंक धारक	9
8.	विभागीय शोध-कार्य	9
9.	विभागीय गति विधियों की झलकियाँ	9
10.	छात्रवृत्ति और पुरस्कार	11
11.	विशिष्ट भूतपूर्व विद्यार्थीः	12
12.	छायाचित्रः	13

1. विभाग का संक्षिप्त परिचय

कालिन्दी महाविद्यालय में हिन्दी विभाग की स्थापना सन् 1967 में महाविद्यालय की स्थापना के साथ हुई। शुरूआत बी.ए. पास के हिन्दी पाठ्यक्रमों के शिक्षण से हुई। सन् 1970 में बी.ए. ऑनर्स हिन्दी पाठ्यक्रम की और सन् 1991 में एम.ए.हिन्दी पाठ्यक्रम की शुरूआत हुई। हिन्दी विभाग, वाणिज्य-स्नातक व अन्य कला-स्नातक पाठ्यक्रमों की छात्राओं को विविध अन्तर-अनुशासनिक पाठ्यक्रम भी पढ़ाता है। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित विभाग की 'हिन्दी साहित्य परिषद्' समय-समय पर विभिन्न शैक्षणिक व सह-शैक्षणिक गतिविधियों का आयोजन करती रहती है। बहुआयामी प्रतिभा की धनी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विदुषी तथा विभाग की वरिष्ठ सदस्या डॉ. बुद्धिराजा को उनकी जापान यात्रा के दौरान जापान सरकार की ओर से सम्मानित किया गया था | हिंदी विभाग की अध्यापिकाओं ने शिक्षण के साथ-साथ अनेक प्रशासनिक पदों को भी विभूषित किया है- डॉ. मालती प्रख्यात साहित्यकार होने के साथ-साथ कुशल प्रशासक भी रही हैं| डॉ. मालती ने दस (1998-2008) वर्षों तक कालिन्दी महाविद्यालय की प्राचार्या के रूप में कार्य किया है| डॉ. नीना भाटिया, डॉ. प्रोमिला गोयल ने भी उप-प्राचार्या पद को सुशोभित किया है| डॉ. कुसुम गुप्ता ने उप-प्राचार्या के साथ-साथ बर्सर का दायित्व भी सफलतापूर्वक निभाया है| कालिन्दी महाविद्यालय की भूतपूर्व छात्राओं ने ज्ञान-विज्ञान के प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का परचम लहराया है| इन छात्राओं में कृष्णा तीरथ जी का नाम प्रमुख है| कृष्णा तीरथ जी कांग्रेस की वरिष्ठ नेता रही हैं|

डॉ. प्रोमिला गोयल, डॉ. नीना भाटिया, डॉ. कुसुम गुप्ता, डॉ. आदर्श कुमारी जैन, डॉ. कमला मधोक, डॉ. नायर, डॉ. राज बुद्धिराजा, डॉ. प्रेम लता वर्मा, डॉ. सुभाषिनी, डॉ. रस्तोगी, डॉ. मीना गुप्ता, डॉ. अंशु माला कुमार, डॉ. सुकान्ति केशव, डॉ. प्रभात शोभा छिबर, डॉ. शशि गुप्ता तथा डॉ. प्रेम गौड़, वर्तमान समय में विभाग में चार स्थायी संकाय सदस्य कार्यरत हैं- डॉ. मंजु शर्मा (2006), डॉ. आरती सिंह (2006), डॉ. मोहिनी श्रीवास्तव (2006), सुश्री रेखा मीना (2008)

2. विषय का क्षेत्र (स्कोप ऑफ़ सब्जेक्ट)

संघ लोक सेवा आयोग, विभिन्न राज्य लोक सेवा आयोग व कर्मचारी चयन आयोग की विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन व रोजगार के लिए आवेदन परक सहभागिता।

हिंदी में उच्च शिक्षा, जैसे-एम.ए.,एम.फिल.पीएच.डी.।

हिंदी- अंग्रेजी अनुवाद पाठ्यक्रमों में उच्च शिक्षा व रोजगार।

विभिन्न प्रिण्ट व इलैक्ट्रोनिक मीडिया- माध्यमों में रोजगार।

बैंकिंग, फिल्म, अनुवाद, पटकथा-लेखन, ब्लॉग–लेखन सृजनात्मक लेखन आदि में रोजगार की अपार संभावनाएँ।

3. संकाय सदस्यों का विवरण

क्रम संख्या	नाम	पद	क्षेत्र	विशेषज्ञता का क्षेत्र
1	डॉ. मंजु शर्मा	सहायक	एम.ए.,एम.फिल.,पीएचडी.नेट	हिंदी नाटक एवं

	(विभाग-प्रभारी)	आचार्या		रंगमंच
2	डॉ. आरती सिंह	सहायक आचार्या	एम.ए.,एम.फिल.,पीएचडी.नेट	रीतिकाव्य
3	डॉ. मोहिनी श्रीवास्तव	सहायक आचार्या	एम.ए.,एम.फिल.,पीएचडी.नेट	स्त्री विमर्श
4	सुश्री रेखा मीणा	सहायक आचार्या	एम.ए.,नेट	हिंदी मीडिया

4. शिक्षण का माध्यमः हिंदी कोर्स विवरणः

(1) ऑनर्स कोर्स के लिए

Semester	Core	Generic Elective (Any One)	AECC
I	1 हिन्दी भाषा और उसकी लिपि का इतिहास 2 हिन्दी कविता (आदिकाल एवं भक्ति कालीन काव्य)	हिन्दी सिनेमा और उसका अध्ययन	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण
II	3 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदि काल और मध्यकाल) 4 हिन्दी कविता (रीतिकालीन कविता)	पटकथा और संवाद लेखन	

III	5 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) 6 हिन्दी कविता (आधुनिक काल और छायावाद तक) 7 हिन्दी कहानी	भाषा और समाज	सोशल मीडिया
IV	8 भारतीय काव्यशास्त्र 9 हिन्दी कविता (छायावाद के बाद) 10 हिन्दी उपन्यास	हिन्दी का वैश्विक परिदृश्य	भाषा और समाज

Semester	Core	DSE-I	DSE II
V	11 पाश्चात्य काव्यशास्त्र 12 हिन्दी नाटक/एकांकी	अस्मितामूलक विमर्श एवं हिन्दी साहित्य अथवा भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच सिद्धान्त	हिन्दी भाषा का व्यावहारिक व्याकरण अथवा भारतीय साहित्य की संक्षिप्त रूपरेखा
Vi	13 हिन्दी आलोचना 14 हिन्दी निबंध एवं अन्य विधाएँ	हिन्दी की भाषिक विविधताएँ अथवा भारतीय साहित्यः पाठपरक अध्ययन	अवधारणात्मक साहित्यिक पद अथवा हिन्दी रंगमंच

(2) बी.ए. (प्रोगाम) का पाठ्यक्रम

1st year बी. ए. प्रोग्राम/बी. कॉम प्रोग्राम- हिन्दी 'क'- (जिन्होंने 12 वी. कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है।)

1st year बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम प्रोग्राम- हिन्दी 'ख''- (जिन्होंने 10 वी. कक्षा तक हिन्दी पढ़ी है।)

1st year बी. ए. प्रोग्राम/बी.कॉम प्रोग्राम- हिंदी "ग"- (जिन्होंने 8 वी. कक्षा तक हिंदी पढ़ी है|)

Year	semester	Core	AECC
I	I	हिन्दी (क) - हिन्दी भाषा और साहित्य हिन्दी (ख) - हिन्दी भाषा और साहित्य हिन्दी (ग) - हिन्दी भाषा और साहित्य	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण
I	II	हिन्दी (क) - हिन्दी भाषा और साहित्य हिन्दी (ख) - हिन्दी भाषा और साहित्य हिन्दी (ग) - हिन्दी भाषा और साहित्य	हिन्दी भाषा और सम्प्रेषण
II	III	हिंदी (क) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास हिंदी (ख) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास हिंदी (ग) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास	
II	IV	हिंदी (क) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास हिंदी (ख) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास हिंदी (ग) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास	

3. बी. कॉम. (प्रोग्राम) का पाठ्यक्रम

Year	semester	Core	SEC
I	II	हिन्दी (क) - हिन्दी भाषा और साहित्य हिन्दी (ख) - हिन्दी भाषा और साहित्य हिन्दी (ग) - हिन्दी भाषा और साहित्य	

II	IV	हिन्दी (क) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास हिन्दी (ख) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास हिंदी (ग) - हिन्दी गद्यः उदभव और विकास	

5. पुरस्कार व उपलब्धियाँ

शिक्षक-

डॉ. मंजू शर्मा

1. सांप्रदायिक सदभाव और हिंदी नाटक (2019) ISBN NO **978-93-87932-25-8** रचनाकार पब्लिशिंग हाउस दिल्ली
2. राम की लड़ाई: संवेदना और शिल्प (2020) ISBN NO **978-93-87932-30-2** रचनाकार पब्लिशिंग हाउस दिल्ली

डॉ. आरती सिंह

1. सर्वश्रेष्ठ व्याख्याता पुरस्कार – उच्च शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार
2. एसोसिएट प्रोफ़ेसर – हंकुक विश्विद्यालय ऑफ़ फॉरेन स्टडीज, साउथ कोरिया
3. एन.सी.सी. ऑफिसर, एएनओ एलटी (2010 से अब अक)

हिंदी विभाग, कालिंदी महाविद्यालय की छात्राओं का दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों में आयोजित ।

6. प्रतियोगिताओं में भागीदारी

इस प्रकार है :-

1. **कविता प्रतियोगिता (आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय)**

   नाम/वर्ष अनुक्रमांक दिनांक उपलब्धि

   सुष्मिता (प्रथम वर्ष) 19516052 14 सितंबर,2019 भागीदारी

   प्राची शर्मा (तृतीय वर्ष) 17516071 14 सितंबर,2019 भागीदारी

2. **कविता प्रतियोगिता (जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय)**

   सविता (द्वितीय वर्ष) 18516062 16 सितबर,2019 भागीदारी

   पल्लवी (द्वितीय वर्ष)

   कोमल जांगरा (तृतीय वर्ष)17516099 16 सितबर,2019 भागीदारी

   प्रीति शर्मा (तृतीय वर्ष 17516038 16 सितबर,2019 भागीदारी

   मेघा (द्वितीय वर्ष) 18516066 16 सितबर,2019 भागीदारी

3. **रचनात्मक लेखन (आत्माराम सनातन धर्म महाविद्यालय)**

मधु (द्वितीय वर्ष) 18516033 17 सितंबर,2019 भागीदारी

4. **शोधपत्र लेखन प्रतियोगिता (विवेकानंद महाविद्यालय)**

कविता सैनी (तृतीय वर्ष) 17516198 17 सितंबर,2019 भागीदारी

कोमल (तृतीय वर्ष)17516099 17 सितंबर,2019 भागीदारी

5. **निबंध प्रतियोगिता (जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय)**

प्राची शर्मा (तृतीय वर्ष) 17516071 17 सितंबर,2019 द्वितीय पुरस्कार

अंजलि रानी (तृतीय वर्ष) 17 सितंबर,2019 भागीदारी

कोमल (तृतीय वर्ष) 17516099 17 सितंबर,2019 भागीदारी

6. **लोकगीत प्रतियोगिता (जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय)**

अंजलि रानी (तृतीय वर्ष) 17 सितंबर,2019 भागीदारी

7. **कविता प्रतियोगिता (जानकी देवी मेमोरियल महाविद्यालय)**

प्रीति शर्मा 17 सितंबर, 2019 भागीदारी

कोमल (तृतीय वर्ष) 17 सितंबर, 2019 भागीदारी

8. **स्वरचित काव्य पाठ प्रतियोगिता (शिवाजी महाविद्यालय)**

प्राची शर्मा (द्वितीय वर्ष) 18516062 18 सितंबर,2019 भागीदारी

9. **कविता प्रतियोगिता (शिवाजी महाविद्यालय)**

प्राची शर्मा (तृतीय वर्ष) 17516071 18 सितंबर,2019 भागीदारी

सविता (द्वितीय वर्ष) 18516062 18 सितबर,2019 भागीदारी

10. **लघु फिल्म प्रतियोगिता (शिवाजी महाविद्यालय)**

प्राची शर्मा (तृतीय वर्ष) 17516071 19 सितंबर,2019 द्वितीय पुरस्कार

अंजलि रानी (तृतीय वर्ष) 19 सितंबर,2019 द्वितीय पुरस्कार

कविता सैनी (तृतीय सैनी) 17516198 19 सितंबर,2019 द्वितीय पुरस्कार

सविता (द्वितीय वर्ष) 18516062 19 सितबर,2019 तृतीय पुरस्कार

हिना (द्वितीय वर्ष) 18516011 19 सितंबर,2019 तृतीय पुरस्कार

लक्ष्मी (द्वितीय वर्ष) 18516050 19 सितंबर,2019 तृतीय पुरस्कार

गीता (द्वितीय वर्ष) 18516047 19 सितंबर,2019 तृतीय पुरस्कार

सृष्टि (द्वितीय वर्ष) 18516067 19 सितंबर,2019 तृतीय पुरस्कार

11. **निबंध लेखन प्रतियोगिता (राजधानी महाविद्यालय)**

साक्षी माहाल (तृतीय वर्ष) 24 सितंबर,2019 भागीदारी

रूपम शर्मा (तृतीय वर्ष) 24 सितंबर,2019 भागीदारी

गायत्री (तृतीय वर्ष) 24 सितंबर,2019 भागीदारी

प्रिया मिश्रा (तृतीय वर्ष) 24 सितंबर,2019 भागीदारी
नूरजहाँ (तृतीय वर्ष) 24 सितंबर,2019 भागीदारी
प्रीति (तृतीय वर्ष) 24 सितंबर,2019 भागीदारी
ज्योति (तृतीय वर्ष) 24 सितंबर,2019 भागीदारी
अंजलि रानी (तृतीय वर्ष) 24 सितंबर,2019 भागीदारी
सविता (द्वितीय वर्ष) 18516062 24 सितबर,2019 भागीदारी
आँचल (द्वितीय वर्ष) 18516028 24 सितंबर,2019 भागीदारी
पल्लवी (द्वितीय वर्ष) 18516032 24 सितंबर,2019 भागीदारी

12. कविता-पाठ प्रतियोगिता (राजधानी महाविद्यालय)

प्राची शर्मा (तृतीय वर्ष) 17516071 24 सितंबर,2019 भागीदारी
सविता (द्वितीय वर्ष) 18516062 24 सितबर,2019 भागीदारी

13. प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता (राजधानी महाविद्यालय)

कविता सैनी (तृतीय वर्ष) 17516198 26 सितंबर,2019 तृतीय पुरस्कार
शिवानी कुमारी (तृतीय वर्ष) 26 सितंबर,2019 तृतीय पुरस्कार
अंजलि रानी (तृतीय वर्ष)17516099 26 सितंबर,2019 भागीदारी
अनिशा (तृतीय वर्ष)17516046 26 सितंबर,2019 भागीदारी
रितु कुमारी (तृतीय वर्ष) 26 सितंबर,2019 भागीदारी
रूपम शर्मा (तृतीय वर्ष) 17516036 26 सितंबर,2019 भागीदारी
साक्षी माहाल (तृतीय वर्ष) 17516065 26 सितंबर,2019 भागीदारी
सविता (द्वितीय वर्ष)18516062 26 सितंबर,2019 भागीदारी
आँचल (द्वितीय वर्ष)18516028 26 सितंबर,2019 भागीदारी
प्रियंका गोराई (द्वितीय वर्ष) 17516071 26 सितंबर,2019 भागीदारी
पल्लवी (द्वितीय वर्ष) 18516032 26 सितंबर,2019 भागीदारी
सृष्टि यादव (द्वितीय वर्ष) 17516071 26 सितंबर,2019 भागीदारी
हिना (द्वितीय वर्ष) 18516011 26 सितंबर,2019 भागीदारी
लक्ष्मी द्वितीय वर्ष) 18516050 26 सितंबर,2019 भागीदारी
अंजलि (द्वितीय वर्ष) 18516013 26 सितंबर,2019 भागीदारी

7. विश्वविद्यालय रैंक धारक

ओ व ए ग्रेड धारक विद्यार्थी : O ग्रेड -2, A$ ग्रेड -25

8. विभागीय शोध-कार्य

(I) "फिल्मी गीतों में स्त्री छवि का समाजशास्त्रीय विश्लेषण" शोध निर्देशक:- रक्षा गीता, हिंदी विभाग,

शोध सलाहकार :-डॉ पुनीता वर्मा, फिजिक्स विभाग (छात्राएं- नीरु, आशना, आरजू, पल्लवी, मधु, अंजली, हेमा, प्रियंका, सविता, रुबी, मेघा, सृष्टि, प्रियंका)

(II) "मध्यकालीन भारतीय साहित्य में स्त्री रचनाकारों की रचनाओं का अध्ययन" शोध निर्देशक : विभा ठाकुर

वितीय सलाहकार : डॉ देशराज (संस्कृत विभाग) (छात्राएं - नेहा रायकवार, कोमल, अंजलि, अल्का, शिवानी, कविता सैनी)

9. विभागीय गति विधियों की झलकियाँ :

हिंदी विभाग की हिंदी साहित्य परिषद प्रत्येक वर्ष छात्राओं के बहुमुखी विकास हेतु विविध प्रतियोगिताएं करवाती है। जैसे- पदाधिकारियों का चुनाव, हिंदी दिवस, विभिन्न प्रतियोगिताएं- स्लोगन लेखन प्रतियोगिता, पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता, निबंध-लेखन प्रतियोगिता, मौलिक कविता पाठ प्रतियोगिता, साहित्यिक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता, लोक गायन प्रतियोगिता, लोकनृत्य प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता।

इसके अतिरिक्त पाठ्यक्रम को ध्यान में रखते हए विविध व्याख्यान करवाए जाते हैं। हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में संगोष्ठी का आयोजन तथा रोजगार से सम्बन्धित कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाता है।

इन कार्यक्रमों का विविरण इस प्रकार है -

- **एक-दिवसीय संगोष्ठी :–**12 सितम्बर, 2019 को हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में हिंदी साहित्य परिषद, कालिंदी कॉलेज की ओर से एक-दिवसीय संगोष्ठी 'वैश्विक संदर्भ में हिंदी' विषय पर आयोजित की गई. जिसमें मुख्य वक्ता श्री बलराम (वरिष्ठ पत्रकार एवं प्रसिद्ध कथाकार), विशिष्ठ अतिथि प्रो. निरंजन कुमार (हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय) एवं अध्यक्षता प्रो. कैलाश नारायण तिवारी (कुलाधिपति थावे विद्यापीठ, बिहार) ने की. संगोष्ठी का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन व अतिथि सत्कार से किया गया. श्री बलराम ने अपने वक्तव्य में बताया कि उन्होंने अपने रचनात्मक कार्य के माध्यम से किस प्रकार वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार में योगदान दिया है. उन्होंने हिंदी भाषा के प्रति अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा कि हिंदी को सरकार ने राजभाषा का दर्जा तो दे दिया लेकिन अभी हमारी जनता ने हिंदी को राष्ट्रभाषा के रूप में नहीं अपनाया है. अपने अनुभवों के आधार पर उन्होंने बताया कि भारत से बाहर लोग हिंदी भाषा का प्रयोग भलीभांति करते हैं. प्रो. निरंजन कुमार ने बताया कि हिंदी को भाषा और साहित्य से अलग और भी अनेक आयामों में देखने की जरुरत है, जैसे ज्ञान-विज्ञान, अर्थ जगत, सोशल मीडिया, सिनेमा, बाजार, टेक्नोलॉजी आदि. उनका मानना है कि हिंदी भाषा ने सिनेमा, टेक्नोलॉजी, अनुवाद, शिक्षा और राजनीति के माध्यम से वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनाई है. उन्होंने कहा कि हिंदी संयुक्त राष्ट्र संघ की आधिकारिक भाषा बने ऐसी उम्मीद हमको करनी चाहिए. प्रो. निरंजन ने जोर देकर कह कि हमें अंगद की तरह पैर ज़माना है तो शिक्षक, विद्यार्थी और हिंदी भाषी लोगों को आगे आना होगा. प्रो. कैलाश नारायण तिवारी ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में बताया कि 'हिंदी प्रेम' हिंदी भाषी भारतीयों से अधिक विदेशी (हिंदी सीखने वाले) लोगों में देखी जा रही है. उन्होंने अपने ही देश में हिंदी की स्थिति को चिंताजनक बताया. उनका मानना है कि हिंदी के आगे अंग्रेजी भाषा आ गई है, अंग्रेजी बोलचाल में आ गई है, जीवन में आ गई है. अंग्रेजी की टक्कर में

हिंदी हारती नजर आ रही है. इस स्थिति से उभरने के लिए हिंदी के प्रति लोगों में आत्मविश्वास होना चाहिए, जो अभी नजर नहीं आ रहा है. संगोष्ठी के अंत में डॉ. विभा ठाकुर ने धन्यवाद ज्ञापित किया.

- **विशिष्ठ व्याख्यान :**–28 सितम्बर, 2019 को हिंदी साहित्य परिषद, कालिंदी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय) की ओर से एक विशिष्ट व्याख्यान 'हिंदी : कल, आज और कल' विषय पर सम्पन्न हुआ। जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. पूरन चंद टंडन (अध्यक्ष, शासी निकाय, कालिंदी महाविद्यालय) मौजूद थे, साथ में डॉ. अंजुला बंसल (प्राचार्या, कालिंदी महाविद्यालय) एवं डॉ. मंजु शर्मा (प्रभारी, हिंदी विभाग) उपस्थित रहीं। मंच संचालन बलजीत कौर ने किया। व्याख्यान का प्रारंभ दीप प्रज्ज्वलन व अतिथि सत्कार से किया गया। प्रो. पूरन चंद टंडन ने अपने व्याख्यान में कहा कि जब हम हिंदी भाषा को याद करते हैं तो अनुप्रयोग के संदर्भ में याद करते हैं। उन्होंने बताया कि 'हिंदी' साहित्य की भाषा के रूप में लगभग एक हजार साल बिता चुकी है। हिंदी साहित्य के सन्दर्भ में आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक प्रयोग की जाने वाली हिंदी भाषा के विभिन्न रूपों की तथ्यात्मक जानकारी विद्यार्थियों के समक्ष रखी, साथ ही वर्तमान समय में हिंदी भाषा के महत्व को रेखांकित किया। अपने व्याख्यान में आगे उन्होंने कहा कि हमको अनुवाद के माध्यम से दूसरी भाषाओं से ज्ञान आयात करना करना चाहिए। आज हिंदी की स्थिति अनुवाद के माध्यम से बेहतर हुई है। प्रो. टंडन ने कहा कि आज भी हम प्रयोग की भाषा सीख नहीं पाए हैं, इसलिए आवश्यक यह है किहम को प्रयोग की भाषा में पारंगत होना चाहिए। आज हिंदी का प्रचार-प्रसार विश्व स्तर पर बढ़ तो अवश्य रहा है, लेकिन भारत में ही लोग पूरी तरह से आत्मसात नहीं कर पाएँ हैं, हम सभी को राष्ट्र के सम्मान के साथ-साथ देश की राष्ट्र-भाषा का भी सम्मान करना चाहिए। अभी हिंदी भाषा को और आगे बढ़ाने की जरूरत है इसके लिए हमको हमारी सपनों की भाषा हिंदी को आत्मसात करने की आवश्यकता है, हिंदी भाषा में अगर हम सभी बढ़-चढ़ कर काम करेंगे तो हिंदी का परचम पूरे विश्व में और अधिक मजबूती से लहराएगा।

- **एक-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान माला:**-6 मार्च, 2020 को हिंदी साहित्य परिषद्, कालिंदी महाविद्यालय द्वारा 'कहानी कला के विविध आयाम' विषय पर एक-दिवसीय अंतरराष्ट्रीय व्याख्यान माला-4 का आयोजन किया गया. जिसमें वक्ता के रूप में डॉ. अरुणा सब्बरवाल (प्रवासी साहित्यकार,ब्रिटेन) विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. रवि चतुर्वेदी (खेल पत्रकार) अध्यक्ष के रूप में प्रो. पूरन चंद टंडन, (अध्यक्ष, शासी निकाय, कालिंदी महाविद्यालय) एवं डॉ. अंजुला बंसल (प्राचार्या, कालिंदी महाविद्यालय) की गरिमामय उपस्थिति रही. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं अतिथि सत्कार से की गई. डॉ. अरुणा सब्बरवाल ने अपने व्याख्यान में कहा भारत में युवावर्ग हिंदी भाषा में बात न करके अंग्रेजी भाषा में बात करता है, जो की निराशाजनक है. उन्होंने कहा की हम सभी को अपनी मातृभाषा हिंदी में बात करनी चाहिए, जिससे हिंदी का मान सम्मान बढाया जा सके. उन्होंने कहा कि हिंदी भाषा के प्रचार-प्रसार में प्रवासी भारतीय अपना बखूबी योगदान दे रहे हैं. उन्होंने अनेक ऐसी संस्थानों के नाम गिनाये जो हिंदी के लिए विदेशों में लगातार काम करती हैं. अपने व्याख्यान में आगे उन्होंने कहा की मेरी कहानीयां मुख्य रूप से सामाजिक मुद्दों पर आधारित होती हैं, जिसमें मुख्य रूप से स्त्री मन की संवेदनाओं को व्यक्त करने वाली कहानियाँ हैं. इसके बाद उन्होंने अपनी कहानी 'उड़ारी' का पाठ किया तथा साथ ही कहानी की रचना प्रक्रिया पर बात की. इसके बाद डॉ. रवि चतुर्वेदी ने अपने व्याख्यान में कहा कि किस प्रकार उन्होंने क्रिकेट में अंग्रेजी कमेंटेटर के बीच में अपनी हिंदी कमेंटरी की जगह बनाई और किस प्रकार लोगों ने हिंदी कमेंटरी को स्वीकार किया. उन्होंने कमेंटरी को महाभारत के पात्र संजय से जोड़ा और क्रिकेट के थर्ड अम्पायर को शिवजी के तीसरे नेत्र से जोड़कर बताया. उन्होंने बताया कि भारत की छवि को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ऊँचा करने में महिलाओं का बड़ा योगदान है. खेलों में स्त्रियों के योगदान की प्रशंसा करते हुए कई महिला खिलाडियों के नाम गिनाये. इसके बाद प्रो. पूरन चन्द टंडन ने अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में कहा कि साहित्य में वैसे तो सभी विधाओं का महत्व है लेकिन कहानी का अपना एक अलग स्थान है, एक अलग समाज है, एक बड़ा पाठक वर्ग है. प्रो. टंडन ने कहानी की रचना प्रक्रिया पर बात करते हुए कहा की कहानी का विषय किस प्रकार के हो सकते हैं, समाज के कौन-कौनसे मुद्दों पर कहानियां लिख सकते हैं और उन राष्ट्रीय, सामाजिक, सांस्कृतिक मुद्दों में कहानी तत्व किस प्रकार से पिरोया जा सकता है. प्रो. टंडन ने आगे अपने वक्तव्य में विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा की आपको अपनी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करना चाहिए, कहानियाँ लिखने की

कोशिश करनी चाहिए.मंच संचालन हेमंत रमण रवि ने किया तथा व्याख्यान के अंत में हिंदी विभाग की प्रभारी डॉ. मंजु शर्मा ने सभी को धन्यवाद ज्ञाप

10. छात्रवृत्ति और पुरस्कार

पुरस्कार का नाम	जिसके लिए सम्मानित किया गया
1. विद्यावती भाटिया मेमोरिअल पुरस्कार	1. बी.ए.हिंदी (विशेष) सेमेस्टर- I तथा II में अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ।
2. पुष्पा हंस मेमोरियल पुरस्कार	2. बी.ए.हिंदी (विशेष) सेमेस्टर- III तथा IV में अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ।
3. सरस्वती देवी मधोक पुरस्कार	3. बी.ए.हिंदी (विशेष) सेमेस्टर- V तथा VI में अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ।
4. आदर्श कुमारी जैन मेमोरियल पुरस्कार	4. बी.ए.हिंदी (विशेष) सभी सेमेस्टर में अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ।
5. हिंदी अध्यापक पुरस्कार	5. बी.ए.हिंदी (विशेष) सभी सेमेस्टर में अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ।
6. कमला मधोक मेमोरियल पुरस्कार	6.बी.ए. (प्रो.) सेमेस्टर I तथा II में हिंदी विषय में अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ।
7. सुरिंदर कुमार पुरस्कार	7. बी.ए. (प्रो.) सेमेस्टर I,II,V तथा VI में हिंदी विषय में अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ।
8. नीना भाटिया कालिंदी कॉलेज पुरस्कार	8. बी.ए.हिंदी (विशेष) सेमेस्टर V तथा VI भाषा विज्ञान में अधिकतम अंक प्राप्त करने पर ।
9. स्टूडेंटयूनियन प्राइज फॉरस्टैंडिंग	9. हिंदी विशेष सेमेस्टर I और II में द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर ।

10.स्टूडेंट यूनियन प्राइज फॉर स्टैंडिंग	10. हिंदी विशेष सेमेस्टर V और VI प्रथम स्थान प्राप्त करने पर ।
11.स्टूडेंट यूनियन प्राइज फॉरस्टैंडिंग	11.हिंदी विशेष सेमेस्टर V तथा VI द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर ।
12. स्टूडेंट यूनियन प्राइज फॉर स्टैंडिंग	12. प्रथम एम्.ए.हिंदी ।
13. डॉ. प्रेम गौड़ मेमोरियल पुरस्कार	13. हिंदी कविता ।
14. डॉ. प्रेम गौड़ मेमोरियल पुरस्कार	14. हिंदी लेखन-सृजनात्मक लेखन ।
15. डॉ. मालती छात्रा वृत्ति	15. ओ.बी.सी.वर्ग से,हिंदी विशेष में अधिकतम अंक (55 प्रतिशत से अधिक) लेने पर ।
16. श्रीमती सत्या देवी छात्रावृत्ति	16. अनुसूचितवर्ग से, हिंदी विशेष की प्रथम अथवा द्वीतीय वर्ष में अधिकतम अंक लेने पर ।

11. विशिष्ट भूतपूर्व विद्यार्थीः

1. पारूल,पीएचडी. नामांकित, महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा।

2. दीपिका, पीएचडी नामांकित, बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक।

3. रितु कुमारी,पीएचडी नामांकित, अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय अलीगढ़।

4. खुशबू, संस्थापक, पाल न्यूज (यू ट्यूब चैनल)।

5. काजल थापा, पीआरटी,जी डी गोयनका विद्यालय, दिल्ली।

6. मनीषा, टीजीटी, रिचमंड पब्लिक विद्यालय, दिल्ली।

12. छायाचित्र:

KALINDI COLLEGE

हिन्दी विभाग
हिन्दी साहित्य परिषद
हिन्दी दिवस
भाषा के रूप
हिन्दी है हमारी मातृभाषा
जिसका स्वरूप है,
हमारी संस्कृति, भाषा
और साहित्य में एकता।
हिन्दी भाषा हिन्दुस्तान की
जान है
इसी से भारतीयों की
पहचान है।
हिन्दी भाषा और
उसका महत्व
भाषा की किताबी
परिभाषा
मातृभाषा
हिंदी
हिंदी को अपनाना है

WELCOME
RECEPTION

हिंदी साहित्य परिषद्
कालिन्दी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय)

हिंदी साहित्य परिषद्

हिंदी साहित्य परिषद्
कालिन्दी महाविद्यालय (दिल्ली विश्वविद्यालय)
एक दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान

वाद-विवाद प्रतियोगिता

दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का संलग्नक)

वाद-विवाद प्रतियोगिता

दिल्ली पब्लिक लाइब्रेरी
(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार का संलग्नक)

Art of Story Writing in different dimensions

Organizers with guests & participants

Stephan Jenkins, American musician said, "What we value about music and literatures are the moments that they create in our minds when we encounter them". It was amply evident as I sat through a session of the Hindi SahityaParishad of Kalindi College, New Delhi on Different Dimensions of Art of Story Writing. In a recent well-organized function in the College auditorium, ArunaSabharwal, London-based Hindi writer as chief guest, Dr. Ravi Chaturvedi, cricket commentator as honoured guest, Dr. Puran Chand Tandon, Head, Department of Hindi, Delhi University presided over the function where Principal Dr. AnjulaBansal was present along with members of staff and students of the Hindi Department. The programme was competently compered by Hemant Raman Ravi while Dr. Manju Sharma, Head, Department of College's Hindi Department as main organizer gracefully proposed vote of thanks.

After ceremonial lamp lightening, ArunaSabharwal rightly resented the approach and attitude of the present day youth of India who prefer to talk in English in day-to-day life. She emphasized that talking in Hindi is not only a national pride but also recognition of the national lingua franca. She dealt at length on the role of various organizations involved in promoting and popularizing Hindi in U.K. Her stories basically based on the anguish and pain of the women and the resultant compassion from the society. The social issues are prominent part of her stories. She went onto read melodly her acclaimed story Udari(Punjabi word means to fly; popular Pakistani TV social serial)which was well-received by the audience.

Dr. Ravi Chaturvedi spoke of his role in providing prominent place to Hindi Cricket Commentary in days when English Cricket Commentary was ruling the roost. Quoting from his recently published book-Cricket in Indian Mythology, he justified that Sanjaya of Mahabharat was the firstcommentator of the world; The game of KandukaKrida of Lord Krishna was precursor of the game of cricket played later in England and functional similarity between Third Eye of Lord Shiva and Third Eye of Cricket. He was conscious of his presence in a women's college and accordingly went on to laud the laurels earned by the female Indian sports persons, a widely applauded item of the event.

Prof. Puran Chand Tandon's presidential address was laced with literary tinge, who opined that in literature every facet has its prominence but how cultural, social and national issues can be interwoven in stories provides them place of prominence. He wished that creativity was developed in the students by encouraging them to take to story writing,

After the function, while I was heading towards refreshments, the quote of Charles Bukowski, a German-American poet, was reverberating loud and clear in my ears, "Without literature life is hell".Kudos to Kalindi College, Hindi Department for organizing literary gathering with silken-smoothness.

KALINDI COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)

East Patel Nagar, New Delhi-110008

Phone: 011-25787604, Fax : 011-25782505
Email: kalindisampark.du@gmail.com
Website: http://www.kalindicollege.in/